आईआईएम रांची ने क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग में पहेली बार बनाई जगह

ग्लोबल मैप पर चमकी रांची : आईआईएम को दुनिया की सर्वोच्च 'एग्जीक्यूटिव एमबीए' रैंकिंग में मिली जगह

सिटी रिपोर्टर | रांची

झारखंड की राजधानी और देश के उभरते एजुकेशन हब रांची के नाम एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि जुड़ी है। आईआईएम रांची ने पहली बार प्रतिष्ठित 'क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग 2026' में अपनी धाक जमाई है। यह संस्थान के सफर में एक ऐसा मील का पत्थर है, जिसने रांची को वैश्विक प्रबंधन शिक्षा के मानचित्र पर मजबूती से स्थापित कर दिया है। खास बात यह है कि आईआईएम रांची ने अपने पहले ही प्रयास में देश के तमाम पुराने आईआईएम के बीच चौथा स्थान हासिल किया है। वैश्विक स्तर पर संस्थान 201+ बैंड में है, वहीं एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में इसे 33वां स्थान मिला है। यह रैंकिंग बताती है कि रांची अब सिर्फ स्थानीय नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के लीडर्स तैयार कर रहा है।

आईआईएम रांची की उपलिब्धयों की जानकारी देते अधिकारी।

करियर ग्रोथ और सैलरी हाइक में आईआईएम रांची अव्वल

क्यूएस रैंकिंग दुनिया भर के बिजनेस स्कूलों को परखने का सबसे कड़ा मानक है। इसमें आईआईएम रांची का प्रदर्शन सभी पांच प्रमुख संकेतकों में संतुलित रहा। संस्थान ने नियोक्ता प्रतिष्ठा (30%) और अकादमिक साख (25%) में तो झंडे गाड़े ही, लेकिन सबसे शानदार प्रदर्शन 'करियर आउटकम' (20%) में रहा। इसका सीधा मतलब यह है कि यहां से एग्जीक्यूटिव एमबीए करने वाले प्रोफेशनल्स को उनकी कंपनियों में जबरदस्त सैलरी हाइक और प्रमोशन मिल रहा है। इसके अलावा, संस्थान में 'सी-सूट' (CEO/CTO) स्तर के अनुभवी पेशेवरों की मौजूदगी और जेंडर डायवर्सिटी ने भी रैंकिंग सुधारने में बड़ी भूमिका निभाई है।

नौकरी संग ग्लोबल डिग्री का मौका

आईआईएम रांची का यह प्रोग्राम उन लोगों के लिए डिजाइन किया गया है जो अपनी जॉब छोड़े बिना मैनेजमेंट की बारीकियां सीखना चाहते हैं। यह दो वर्षीय हाइब्रिड प्रोग्राम है, जिसमें ऑनलाइन और रेजिडेंशियल (कैंपस में रहना) मॉड्यूल का बेहतरीन मिश्रण है। सुविधा : कक्षाएं केवल वीकेंड्स पर होती हैं, ताकि ऑफिस के काम में बाधा न आए। योग्यता : 3 साल का कार्य अनुभव रखने वाले किसी भी स्ट्रीम के ग्रेजुएट इसमें शामिल हो सकते हैं। क्या सीखेंगे : फाइनेंस, मार्केटिंग से लेकर स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट तक, यहां का करिकुलम इंडस्ट्री की डिमांड के हिसाब से तैयार किया गया है।

Dainik Bhaskar_01.05.2026_P. 5

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग की एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग में जगह बनाई तो संस्थान से जुड़े सभी लोगों ने खुशी जताई। गुरुवार को निदेशक समेत अन्य शिक्षाविद् जानकारी देते हुए।

आईआईएम रांची ने क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग में पहली बार बनाई जगह

रांची, विशेष संवाददाता। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची ने पहली बार क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग की एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग-2026 में स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची झारखंड का पहला संस्थान बन गया।

- इतना बड़ा मुकाम पाने वाला झारखंड का पहला संस्थान बना आईआईएम
- पहले ही प्रयास में देश के अन्य आईआईएम के बीच चौथा स्थान किया हासिल

निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने बुधवार को प्रेसवार्ता में बताया कि संस्थान ने पहले ही प्रयास में देश के अन्य आईआईएम के बीच चौथा स्थान प्राप्त किया है। वहीं, वैश्विक स्तर पर 201 प्लस बैंड और एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में 33वां स्थान हासिल किया।

क्यूएस रैंकिंग में संस्थानों का मूल्यांकन नियोक्ता प्रतिष्ठा, अकादमिक प्रतिष्ठा, करियर परिणाम, एग्जीक्यूटिव प्रोफाइल व विविधता जैसे मानकों पर किया जाता है। आईआईएम रांची ने सभी मापदंडों पर संतुलित प्रदर्शन करते हुए विशेष रूप से करियर परिणामों में उत्कृष्टता दिखाया। इसमें वेतन वृद्धि और पदोन्नति जैसे संकेतक शामिल हैं।

Hindustan_01.05.2026_P. 8

आईआईएम रांची ने क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग 2026 में बनायी जगह

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। भारतीय प्रबन्धन संस्थान (आईआईएम) रांची ने पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग 2026 में जगह बनायी है। यह संस्थान के शैक्षणिक यात्रा में वैश्विक मान्यता और अकादमिक उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है। उक्त बातें आइआइएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने गुरुवार को संवाददाताओं से बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि

आईआईएम रांची ने देश के अन्य आईआईएम के बीच चौथा स्थान अपने पहले प्रयास में हासिल करने में सफल हुआ है। क्यूएस रैंकिंग में संस्थान को वैश्विक बैंड में 201+ स्थान पर, वहीं एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में 33वें स्थान पर जगह बनाने में सफल रहा है।

क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग - बिजनेस स्कूलों के मूल्यांकन, नियोक्ता की प्रतिष्ठा, विचार नेतृत्व, कार्यकारी प्रोफ़ाइल और कैरियर के परिणामों जैसे मापदंडों पर संस्थानों का मूल्यांकन करने के लिए दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित बेंचमार्क में से एक है। क्यूएस रैंकिंग पांच प्रमुख मापदंडों में संस्थानों का मूल्यांकन करती है। नियोक्ता प्रतिष्ठा (30 प्रतिशत), विचार नेतृत्वकर्ता/अकादमिक प्रतिष्ठा (25 प्रतिशत) कैरियर परिणाम (20 प्रतिशत), कार्यकारी के प्रोफ़ाइल (15 प्रतिशत) और विविधता (10 प्रतिशत)। कैरियर परिणामों के तहत, रैंकिंग में स्नातकों की औसत वेतन वृद्धि और पदोन्नति दरों का मूल्यांकन करती है, जो प्रतिभागियों के शैक्षणिक विकास के साथ कर्मचारी के रूप में उनके बेहतर प्रदर्शन का सूचक है। रैंकिंग के क्रम में एग्जीक्यूटिव प्रोफाइल पेशेवरों में अनुभव की गहराई को मापता है, जिसमें औसत कार्य अनुभव, प्रबंधकीय एक्सपोजर और सी-सूट प्रतिनिधित्व - एग्जीक्यूटिव पेशेवरो जो किसी कम्पनी के चीफ के रूप में अपनी जगह बनाने में सफल रहे हो, यह पेशेवरों में विचार नेतृत्वकर्ता के रूप में वैश्विक शैक्षणिक धारणा के माध्यम से अकादमिक उत्कृष्टता का मानक है। इसके अतिरिक्त विविधता पैरामीटर- लिंग और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व का आकलन करता है। साथ ही, नियोक्ता की धारणा और अकादमिक विश्वसनीयता पर भी विचार करती है।

जहां आईआईएम रांची गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, उद्योग जुड़ाव और वैश्विक सहयोग के माध्यम से क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग 2026 में अपनी स्थिति को मजबूत करने में सफल रहा है। यह रैंकिंग संस्थान की मान्यता, अकादमिक उत्कृष्टता, उद्योग की प्रासंगिकता और वैश्विक जुड़ाव पर इसके निरंतर सफल होने को दर्शाती है। जो, संस्थान में प्रवेश के साथ ही प्रतिस्पर्धी और दूरदर्शी बिजनेस स्कूल के रूप में बेहतर प्रदर्शन का संकेत देता है।

प्रो श्री वास्तव ने बताया कि इंस्टिट्यूट ऑफ़ नेशनल इम्पोर्टेंस के रूप में आईआईएम रांची ने नवीन कार्यक्रमों को शामिल करने के साथ, उद्योग-उद्यमिता केन्द्रित पाठ्यक्रम और प्रभावशाली अनुसंधान आधारित पहलों के माध्यम से अपने शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र को लगातार मजबूत करने का काम निरंतर कर रहा है।

एमबीए (एग्जीक्यूटिव)

आईआईएम रांची में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एग्जीक्यूटिव) उन कार्यरत पेशेवरों के लिए है, जो नौकरी के दौरान प्रबंधकीय कौशल और व्यावसायिक कौशल को बढ़ाना चाहते हैं। यह एक व्यापक दो वर्षीय कार्यक्रम है जो किसी भी विषय के प्रतिभागियों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिनके पास स्नातक समकक्ष शैक्षणिक योग्यता और न्यूनतम 3 वर्षों का पूर्णकालिक कार्य/पेशेवर/उद्यमिता अनुभव हो। यह दो वर्षीय कार्यक्रम छह सत्रों में चलता है, जिसमें लेखा एवं वित्त, अर्थशास्त्र, विपणन प्रबन्धन, संचालन, रणनीतिक प्रबन्धन, और संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबन्धन जैसे मुख्य विषय शामिल है।?

कार्यक्रम कैलेंडर को विभिन्न व्यावसायिक आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों की कार्य आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्थित किया गया है। इसमें एक हाइब्रिड पाठ्यक्रम को शामिल किया गया है, जो विशेषकर ऑनलाइन और आवासीय मॉड्यूल का मिश्रण है। प्रत्येक सत्र एक ऑनलाइन मॉड्यूल से शुरू होता है जो केवल सप्ताहांत में आयोजित किया जाता है।

प्रेसवार्ता में प्रो.रवीश कृष्णा कुट्टी, प्रो.मनीष बंसल, प्रो. राजीव वर्मा, प्रो.अंशुमन हजारिका, प्रो. राजशेखर सहित अन्य मौजूद थे।

PURVANCHAL SURYA 1 MAY 26

आइआइएम ने क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग में बनायी जगह

रांची. आइआइएम रांची ने पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग 2026 में जगह बनायी है. देश के अन्य आइआइएम के बीच चौथा स्थान हासिल किया है. क्यूएस रैंकिंग में संस्थान ने वैश्विक बैंड में 201 प्लस स्थान पर जगह बनायी. वहीं एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में 33वें स्थान पर रहा. क्यूएस रैंकिंग पांच प्रमुख मापदंडों में संस्थानों का मूल्यांकन करती है. आइआइएम रांची गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, उद्योग जुड़ाव और वैश्विक सहयोग के माध्यम से क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग 2026 में अपनी स्थिति को मजबूत करने में सफल रहा है. मौके पर संस्थान के डायरेक्टर प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव, चेयरपर्सन एमबीए एग्जीक्यूटिव प्रो मनीष बंसल, प्रो रविश कृष्णाकुट्टी, प्रो राजीव वर्मा, प्रो अंशुमन हजारीका आदि उपस्थित थे.

Prabhat Khabar_01.05.26

क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग 2026 में आईआईएम रांची की एंट्री, पहले ही प्रयास में देश में चौथा स्थान

झारखंड जागरण संवाददाता

रांची। भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान मजबूत करते हुए पहली बार क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग 2026 में जगह बनाई है. यह उपलब्धि न केवल संस्थान के लिए बल्कि झारखंड के लिए भी गर्व का क्षण है, क्योंकि आईआईएम रांची इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में स्थान पाने वाला राज्य का पहला संस्थान बन गया है.

प्रबंधन शिक्षा का बढ़ता स्तर

पहले ही प्रयास में आईआईएम रांची ने देश के अन्य आईआईएम के बीच चौथा स्थान हासिल कर अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता और प्रबंधन शिक्षा के बढ़ते स्तर को साबित किया है. वैश्विक स्तर पर संस्थान को 201+ बैंड मेंयू स्थान मिला है, जबकि एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में इसे 33वां स्थान प्राप्त हुआ है. यह रैंकिंग दुनिया भर के बिजनेस स्कूलों के लिए एक महत्वपूर्ण मानक मानी जाती है.

आईआईएम रांची का उम्दा प्रदर्शन

दर रैंकिंग में संस्थानों का मूल्यांकन कई प्रमुख मापदंडों के आधार पर किया जाता है, जिनमें नियोक्ता प्रतिष्ठा (30%), अकादमिक प्रतिष्ठा (25%), करियर परिणाम (20%), एग्जीक्यूटिव प्रोफाइल (15%) और विविधता (10%) शामिल हैं. आईआईएम रांची ने इन सभी मानकों पर संतुलित प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है. खासतौर पर करियर परिणामों के क्षेत्र में संस्थान ने बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसमें छात्रों की वेतन वृद्धि और पदोन्नति दर को महत्वपूर्ण माना गया.

समग्र विकास और वैश्विक सोच

एग्जीक्यूटिव प्रोफाइल के तहत प्रतिभागियों के कार्य अनुभव, प्रबंधकीय क्षमता और नेतृत्व स्तर का आकलन किया जाता है. वहीं विविधता के अंतर्गत लिंग और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व को भी महत्व दिया जाता है. इन सभी पहलुओं में आईआईएम रांची की उपलब्धि उसके समग्र विकास और वैश्विक सोच को दशार्ता है.

रांची में वैश्विक बिजनेस स्कूल

संस्थान ने गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, उद्योग से जुड़ाव और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से अपनी स्थिति को लगातार मजबूत किया है. यही कारण है कि आईआईएमरांची अब एक उभरते हुए वैश्विक बिजनेस स्कूल के रूप में अपनी पहचान बना रहा है. आईआईएम रांची का एग्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम विशेष रूप से कार्यरत पेशेवरों के लिए डिजाइन किया गया है. यह दो वर्षीय हाइब्रिड प्रोग्राम है, जिसमें ऑनलाइन और आवासीय मॉड्यूल का संयोजन होता है.

आईआईएम रांची के लिए उपलब्धि मील का पत्थर

कार्यक्रम में लेखा, वित्त, विपणन, रणनीतिक प्रबंधन और मानव संसाधन जैसे विषय शामिल हैं, जो प्रतिभागियों के कौशल विकास में मदद करते हैं. दर क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग 2026 में आईआईएम रांची की एंट्री हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है. इससे पहले ही प्रयास में देश में चौथा स्थान हासिल करना इस बात का प्रमाण है कि हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उद्योग-संवाद और वैश्विक मानकों पर लगातार काम कर रहे हैं. यह उपलब्धि हमारे फैकल्टी, छात्रों, एलुमनाई और सभी स्टेकहोल्डर्स के सामूहिक प्रयास का परिणाम है. हम आगे भी अपने कार्यक्रमों को और मजबूत करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संस्थान की पहचान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

Jharkhand Jagran_01.05.26

आईआईएम ने क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग में बनाई जगह

रांची। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची ने पहली बार क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग की एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग-2026 में स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ वह राज्य का पहला संस्थान बन गया। निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने बुधवार को प्रेसवार्ता में बताया कि संस्थान ने पहले ही प्रयास में देश के अन्य आईआईएम के बीच चौथा स्थान प्राप्त किया है। वहीं, वैश्विक स्तर पर 201 प्लस बैंड और एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में 33वां स्थान हासिल किया।क्यूएस रैंकिंग में संस्थानों का मूल्यांकन नियोक्ता प्रतिष्ठा, अकादमिक प्रतिष्ठा, करियर परिणाम, एग्जीक्यूटिव प्रोफाइल व विविधता जैसे मानकों पर किया जाता है।

Punch_01.05.26

क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग 2026 में आईआईएम रांची की एंट्री

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय प्रबंधन संस्थान(आईआईएम) रांची ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान मजबूत करते हुए पहली बार क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग 2026 में जगह बनाई है। यह उपलब्धि न केवल संस्थान के लिए बल्कि झारखंड के लिए भी गर्व का क्षण है, क्योंकि आईआईएम रांची इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में स्थान पाने वाला राज्य का पहला संस्थान बन गया है।

प्रबंधन शिक्षा का बढ़ता स्तर

पहले ही प्रयास में आईआईएम रांची ने देश के अन्य आईआईएम के बीच चौथा स्थान हासिल कर अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता और प्रबंधन शिक्षा के बढ़ते स्तर को साबित किया है। वैश्विक स्तर पर संस्थान को 201+ बैंड मेंयू स्थान मिला है, जबकि एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में इसे 33वां स्थान प्राप्त हुआ है। यह रैंकिंग दुनिया भर के बिजनेस स्कूलों के लिए एक महत्वपूर्ण मानक मानी जाती है।

आईआईएम रांची का उम्दा प्रदर्शन

क्यूएस रैंकिंग में संस्थानों का मूल्यांकन कई प्रमुख मापदंडों के आधार पर किया जाता है, जिनमें नियोक्ता प्रतिष्ठा (30%), अकादमिक प्रतिष्ठा (25%), करियर परिणाम (20%), एग्जीक्यूटिव प्रोफाइल (15%) और विविधता (10%) शामिल हैं। आईआईएम रांची ने इन सभी मानकों पर संतुलित प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। खासतौर पर करियर परिणामों के क्षेत्र में संस्थान ने बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसमें छात्रों की वेतन वृद्धि और पदोन्नति दर को महत्वपूर्ण माना गया।एग्जीक्यूटिव प्रोफाइल के तहत प्रतिभागियों के कार्य अनुभव, प्रबंधकीय क्षमता और नेतृत्व स्तर का आकलन किया जाता है। वहीं विविधता के अंतर्गत लिंग और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व को भी महत्व दिया जाता है।

रांची में वैश्विक बिजनेस स्कूल

संस्थान ने गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, उद्योग से जुड़ाव और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से अपनी स्थिति को लगातार मजबूत किया है। यही कारण है कि IIM रांची अब एक उभरते हुए वैश्विक बिजनेस स्कूल के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। IIM रांची का एग्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम विशेष रूप से कार्यरत पेशेवरों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह दो वर्षीय हाइब्रिड प्रोग्राम है, जिसमें ऑनलाइन और आवासीय मॉड्यूल का संयोजन होता है।

रांची के लिए उपलब्धि मील का पत्थर

कार्यक्रम में लेखा, वित्त, विपणन, रणनीतिक प्रबंधन और मानव संसाधन जैसे विषय शामिल हैं, जो प्रतिभागियों के कौशल विकास में मदद करते हैं। क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग 2026 में आईआईएम रांची की एंट्री हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।इससे पहले ही प्रयास में देश में चौथा स्थान हासिल करना इस बात का प्रमाण है कि हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उद्योग-संवाद और वैश्विक मानकों पर लगातार काम कर रहे हैं।

Rashtriya Naveen Mail_01.05.26

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग की एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग में जगह बनाई तो संस्थान से जुड़े सभी लोगों ने खुशी जताई। गुरुवार को निदेशक समेत अन्य शिक्षाविद् जानकारी देते हुए।

Hindustan Lead_01.05.26

आइआइएम रांची झारखंड का पहला संस्थान क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग 2026 में बनायी जगह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आइआइएम रांची ने पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग 2026 में जगह बनायी है। यह संस्थान के शैक्षणिक यात्रा में वैश्विक मान्यता और अकादमिक उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है।

आइआइएम रांची ने देश के अन्य आइआइएम के बीच चौथा स्थान अपने पहले प्रयास में हासिल करने में सफल हुआ है, जो कार्यकारी प्रबंधन शिक्षा में इसके बढ़ते कद को दर्शाता है। क्यूएस रैंकिंग में संस्थान को वैश्विक बैंड में 201+ स्थान पर, वहीं एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में 33वें स्थान पर जगह बनाने में सफल रहा है।

क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग - बिजनेस स्कूलों के मूल्यांकन, नियोक्ता की प्रतिष्ठा, विचार नेतृत्व, कार्यकारी प्रोफाइल और कैरियर के परिणामों जैसे मापदंडों पर संस्थानों का मूल्यांकन करने के लिए दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित बेंचमार्क में से एक है। क्यूएस रैंकिंग पांच प्रमुख मापदंडों में संस्थानों का मूल्यांकन करती हैः नियोक्ता प्रतिष्ठा (30%), विचार नेतृत्वकर्ता/अकादमिक प्रतिष्ठा (25%) कैरियर परिणाम (20%), कार्यकारी के प्रोफाइल (15%) और विविधता (10%) संस्थान ने सभी संकेतकों में संतुलित प्रदर्शन किया, जिसमें वेतन वृद्धि और पदोन्नति सहित कैरियर के परिणामों में उल्लेखनीय काम और प्रबंधकीय अनुभव को दर्शाता है। कैरियर परिणामों के तहत, रैंकिंग में स्नातकों की औसत वेतन वृद्धि और पदोन्नति दरों का मूल्यांकन करती है, जो प्रतिभागियों के शैक्षणिक विकास के साथ कर्मचारी के रूप में उनके बेहतर प्रदर्शन का सूचक है।

रैंकिंग के क्रम में एक्जीक्यूटिव प्रोफाइल पेशेवरो में अनुभव की गहराई को मापता है, जिसमें औसत कार्य अनुभव, प्रबंधकीय एक्सपोजर और सी-सूट प्रतिनिधित्व - एग्जीक्यूटिव पेशेवरों जो किसी कंपनी के चीफ के रूप में अपनी जगह बनाने में सफल रहे हो, यह पेशेवरों में विचार नेतृत्वकर्ता के रूप में वैश्विक शैक्षणिक धारणा के माध्यम से अकादमिक उत्कृष्टता का मानक है। इसके अतिरिक्त विविधता पैरामीटर - लिंग और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व का आकलन करता है। साथ ही, नियोक्ता की धारणा और अकादमिक विश्वसनीयता पर भी विचार करती है।

जहां आइआइएम रांची गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, उद्योग जुड़ाव और वैश्विक सहयोग के माध्यम से क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग 2026 में अपनी स्थिति को मजबूत करने में सफल रहा है। यह रैंकिंग संस्थान की मान्यता, अकादमिक उत्कृष्टता, उद्योग की प्रासंगिकता और वैश्विक जुड़ाव पर इसके निरंतर सफल होने को दर्शाती है। जो, संस्थान में प्रवेश के साथ ही प्रतिस्पर्धी और दूरदर्शी बिजनेस स्कूल के रूप में बेहतर प्रदर्शन का संकेत देता है। इंस्टिट्यूट ऑफ नेशनल इंपोर्टेंस के रूप में आइआइएम रांची ने नवीन कार्यक्रमों को शामिल करने के साथ, उद्योग-उद्यमिता केंद्रित पाठ्यक्रम और प्रभावशाली अनुसंधान आधारित पहलों के माध्यम से अपने शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र को लगातार मजबूत करने का काम निरंतर कर रहा है।

आइआइएम रांची में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एग्जीक्यूटिव) उन कार्यरत पेशेवरों के लिए है, जो नौकरी के दौरान प्रबंधकीय कौशल और व्यावसायिक कौशल को बढ़ाना चाहते हैं। यह एक व्यापक दो वर्षीय कार्यक्रम है जो किसी भी विषय के प्रतिभागियों के लिए डिजाइन किया गया है, जिनके पास स्नातक समकक्ष शैक्षणिक योग्यता और न्यूनतम 3 वर्षों का पूर्णकालिक कार्य/पेशेवर/उद्यमिता अनुभव हो। यह दो वर्षीय कार्यक्रम छह सत्रों में चलता है, जिसमें लेखा एवं वित्त, अर्थशास्त्र, विपणन प्रबंधन, संचालन, रणनीतिक प्रबंधन, और संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंधन जैसे मुख्य विषय शामिल हैं, साथ ही प्रबंधन के उल्लिखित क्षेत्रों से वैकल्पिक विषय भी शामिल हैं। कार्यक्रम कैलेंडर को विभिन्न व्यावसायिक आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों की कार्य आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्थित किया गया है। इसमें एक हाइब्रिड पाठ्यक्रम को शामिल किया गया है, जो विशेषकर ऑनलाइन और आवासीय मॉड्यूल का मिश्रण है। प्रत्येक सत्र एक ऑनलाइन मॉड्यूल से शुरू होता है जो केवल सप्ताहांत में आयोजित किया जाता है। इससे प्रतिभागियों को कार्यदिवसों के दौरान अपने पेशेवर/कार्य संबंधी व्यस्तताओं का ध्यान रखने में मदद मिलती है। प्रतिभागी प्रत्येक सत्र के अंत में एक आवासीय मॉड्यूल के लिए आइआइएम रांची पहुंचते हैं।

आईआईएम रांची को QS रैंकिंग 2026 में पहली बार मिली जगह

राँची ।। सन्देश सरिता

: नितीश मिश्रा :

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट राँची ने QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स की एग्जीक्यूटिव MBA रैंकिंग 2026 में पहली बार स्थान हासिल कर बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। संस्थान ने अपने पहले प्रयास में देश के आईआईएम में चौथा स्थान प्राप्त किया। वैश्विक स्तर पर इसे 201+ बैंड और एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में 33वां स्थान मिला है। क्यूएस रैंकिंग में नियोक्ता प्रतिष्ठा, अकादमिक छवि, कैरियर परिणाम, कार्यकारी प्रोफाइल और विविधता जैसे मानकों पर मूल्यांकन किया जाता है। आईआईएम रांची ने सभी मानकों पर संतुलित प्रदर्शन करते हुए विशेष रूप से वेतन वृद्धि और पदोन्नति जैसे कैरियर परिणामों में बेहतर प्रदर्शन किया। संस्थान की यह सफलता गुणवत्तापूर्ण शोध, उद्योग से जुड़ाव और वैश्विक सहयोग का परिणाम है, जो इसकी बढ़ती अंतरराष्ट्रीय पहचान को दर्शाती है।

2

Sandesh Sarita_01.05.26